

UPSC Daily Current Affairs 07 Jul 2021

1. सहयोग मंत्रालय

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- सरकार ने हाल में सहयोग मंत्रालय का गठन किया है।

सहयोग मंत्रालय के बारे में जानकारी

- इसकी घोषणा आम बजट 2021-22 में एक अलग प्रशासनिक संरचना के रूप में की गई थी जिससे सहकारी समितियों के लिए व्यवसाय करने की सुगमता को सरल बनाया जा सके।
- सहयोग मंत्रालय 'सहकार से समृद्धि' अथवा प्रॉस्पेरिटी थ्रू कोऑपरेशन के स्वप्न को क्रियान्वित किया जाएगा।
- यह देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए एक अलग प्रशासनिक, कानूनी और नीति ढांचे को उपलब्ध कराएगा।
- यह सहकारी आंदोलन को वास्तविक लोगों पर आधारित आंदोलन के रूप में मजबूत करेगा जो जमीनी स्तर पर पहुँचेगा।
- यह मंत्रालय सहकारिता के लिए व्यवसाय करने की सुगमता की प्रक्रियाओं को सुसंगत करने पर कार्य करेगा, साथ ही बहुराज्यीय सहकारिता (MSCS) के विकास को भी सक्षम बनाएगा।

2. संयुक्त राज्य अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के परिणाम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, लगभग 20 वर्षों के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ने अफगानिस्तान के बगराम हवाई क्षेत्र को छोड़ दिया। इसके लिए उन्होंने बिजली बंद कर दी और बेस के नए अफगान कमांडर को बिना सूचित किए हुए रात के अंधेरे में निकल आए।

खबरों में और भी है

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

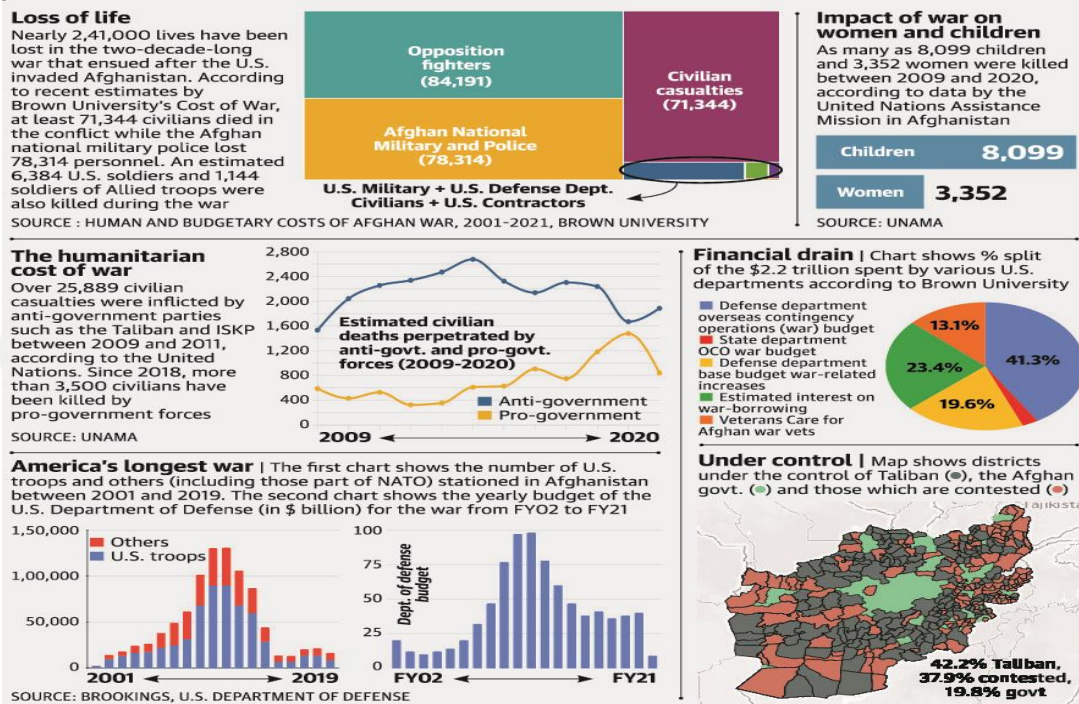
Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

- आतंकवादी समूह के साथ एक समझौते के अंतर्गत, US और उसके NATO सहयोगियों ने तालिबान के साथ यह प्रतिबद्धता लेकर कि उनके नियंत्रण वाले क्षेत्र में अल-कायदा अथवा किसी अन्य चरमपंथी समूह को कार्य करने की इजाजत नहीं दी जाएगी, अपनी फौजों को हटाने पर सहमति व्यक्त की।
- राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी फौजों के पूरी तरह से हटने के लिए 11 सितंबर की समयसीमा निर्धारित की है- यह US पर 9/11 हमले की 20वीं वर्षगांठ है- लेकिन रिपोर्टों के अनुसार सेनाओं का हटना थोड़े ही दिनों में पूरा हो जाएगा।

Overview of twenty years of conflict in Afghanistan

Insurmountable losses | The U.S.'s 20-year-war in Afghanistan has claimed over 70,000 civilian lives and has cost the country more than \$2 trillion. Even as all U.S. combat troops will withdraw by September 11, a large share of the country remains under the control of Taliban. A look at the impact of the war:



US ने अफगानिस्तान पर क्यों आक्रमण किया था?

- 9/11, 2001 के आतंकवादी हमलों के हफ्तों के बाद, US के राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने अफगानिस्तान पर हमले की घोषणा की।
- बुश ने कहा कि तालिबान ने ओसामा बिन लादेन सहित अल-कायदा नेताओं को उनको सौंपने की मांग ठुकरा दी, जिन्होंने हमले की साजिश रची थी।
- अफगानिस्तान के अंदर, US के नेतृत्व वाले NATO सहयोगी सेनाओं ने तेजी से तालिबान शासन को हटा दिया और एक संक्रमणीय सरकार का गठन किया। अल-कायदा के नेता और प्रमुख संचालक पाकिस्तान में सुरक्षित स्थानों को भाग गए।

Gradeup UPSC Exams
Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

- मई 2003 में, रक्षा सचिव डोनाल्ड रम्सफेल्ड ने घोषणा की कि देश के अंदर प्रमुख सैन्य संचालन समाप्त हो चुके हैं।
- बाद में US का ध्यान इराक पर आक्रमण की ओर चला गया, जबकि अफगानिस्तान में पश्चिमी ताकतों ने एक केंद्रीकृत लोकतांत्रिक प्रणाली और संस्थान के निर्माण में सहायता की।
- लेकिन इससे व तो युद्ध समाप्त हुआ और ना ही देश में स्थिरता आई।

पाकिस्तान क्या चाहता है?

- पाकिस्तान उन तीन देशों में से एक है जिसने 1990 के दशक में ही तालिबान शासन को मान्यता दे दी थी।
- तालिबान ने पाकिस्तान के आईएसआई (इंटर सर्विस इंटेलीजेंस) की मदद से अधिकांश देश पर कब्जा कर लिया।
- 9/11 के आक्रमण के बाद, पाकिस्तान के सैन्य तानाशाह परवेज़ मुशर्रफ ने बुश प्रशासन से संघर्ष की वजह से तालिबान के साथ औपचारिक संबंधों को समाप्त कर लिया और आंतकवाद पर अमेरिकी युद्ध में शामिल हो गए।
- लेकिन पाकिस्तान ने दोहरा खेल खेला।
- इसने तालिबान के रहबरी शूरा को शरण दी जो उनके सर्वोच्च नेताओं से मिलकर बनी थी। पाकिस्तान में, तालिबान फिर से पुनर्गठित हुआ, उसने पैसा और लोग इकट्ठा किए, सैन्य रणनीति तैयार की और अफगानिस्तान में वापसी की।
- अनियंत्रित काबुल सरकार जो भ्रष्टाचार और अक्षमता के आरोपों का सामना कर रही थी, जिसकी वजह से हमला करने वाली सेनाओं की ज्यादातियों ने तालिबान के लिए स्थिति और भी आसान कर दी।
- अब, जब US वापस हो रहा है और इसलिए तालिबान आगे बढ़ रहा है, पाकिस्तान एक बार फिर से केंद्र बिंदु में है।

तालिबान पर भारत की स्थिति

- भारत ने दोहा में तालिबान से संपर्क साधा है।
- नई दिल्ली के लिए, जिसने मूल मास्को प्रक्रिया और संयुक्त राष्ट्र के अप्रैल 2020 के "6+2+1" जिसमें केवल अफगानिस्तान के पड़ोसी ही शामिल थे, दोनों में पूर्व में क्षेत्रीय प्रक्रिया से बाहर रखे जाने पर विरोध प्रदर्शित किया था, के लिए US का सुझाव एक राहत है।
- पूर्व में, भारत ने 1996-2001 के तालिबान शासन को मान्यता देने से इंकार कर दिया था और अफगानिस्तान में तालिबान से लड़ाई में उत्तरी गठबंधन को समर्थन दिया था।

- भारत लंबे समय से इस बात का पैरोकार रहा है कि वह केवल काबुल में चुनी हुई सरकार से बातचीत करेगा और हमेशा तालिबान को पाकिस्तान द्वारा समर्थित आतंकवादी संगठन मानता रहा है।
- भारत अफगान के नेतृत्व वाली, अफगान के स्वामित्व वाली और अफगान द्वारा नियंत्रित शांति प्रक्रिया का ही समर्थक रहा है।

भारत को तालिबान से निपटने में तीन महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं

- a. अपने निवेशों को बचाना, जो अफगानिस्तान में अरबों रु. में हैं;
- b. भविष्य के तालिबान शासन को रावलपिंडी के प्यादे बनने से रोकना;
- c. यह सुनिश्चित करना कि पूर्व में पाकिस्तान द्वारा समर्थित भारत विरोधी आतंकवादी समूहों को तालिबान से समर्थन न प्राप्त हो, इसी वजह से भारत ने तालिबान से बातचीत नहीं की और इसलिए उसे तालिबान के सत्ता पर काबिज होने पर भारी कीमत चुकानी पड़ी।

भारत ने अफगानिस्तान में तत्काल समग्र युद्धविराम का आह्वान किया है

- हाल में हुई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में जिसे अरिया सूत्र (UNSC सदस्य के निवेदन पर औपचारिक रूप से आयोजित) के अंतर्गत आयोजित किया गया, भारत ने दुहराया कि अफगानिस्तान में टिकाऊ शांति के लिए, हमें आतंकवादी सुरक्षित स्थानों का अंत करना होगा जो ड्रूंड रेखा के आरपार कार्य कर रहे हैं।

3. वृहद् इथियोपियाई पुनर्जागरण बांध (GERD)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II+I- IR और भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- इथियोपिया ने एक विशाल बांध जलाशय के भरने के दूसरे चरण को शुरू कर दिया है जिसे ऊपरी नीली नील पर वृहद् इथियोपियाई पुनर्जागरण बांध भी कहा जाता है।

खबरों में और भी है

- इस विभाजनकारी परियोजना पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की होने वाली बैठक के पूर्व मिस्र और सूडान तनाव बढ़ा रहे हैं।
- काहिरा और खारतूम दोनों का कहना है कि उन्हें अदीस अबाना द्वारा अधिसूचित किया गया है कि वृहद् इथियोपियाई पुनर्जागरण बांध को भरने के दूसरे चरण का कार्य प्रारंभ हो गया था।

चिंता

- विशालकाय बांध, जो पूरा होने पर अफ्रीका का सबसे बड़ा पनबिजली परियोजना बन जाएगी, ने अदीस अबाबा और अनुप्रवाह वाले देशों मिस्र और सूडान के बीच में लगभग दशक पुराने गतिरोध को पुनः भड़का दिया है।
- इथियोपिया का कहना है कि यह परियोजना उसके विकास के लिए जरूरी है, लेकिन काहिरा और खारतूम को डर है कि वह उनके नागरिकों के जल तक पहुँच को बाधित करेगा।

वृहद् इथियोपियाई पुनर्जागरण बांध के बारे में जानकारी



- इसे पूर्व में सहस्राब्दि बांध कहा जाता था जो इथियोपिया में स्थित है। यह सूडान के 40 किमी. पूर्व में नीली नील नदी पर है।
- यह इथियोपिया में नीली नील नदी पर एक गुरुत्वाकर्षण बांध है जिसका निर्माण 2011 से चल रहा है।
- यह बांध पूरा होने पर अफ्रीका का सबसे बड़ा पनबिजली बांध संयंत्र होगा, साथ ही दुनिया का सातवां सबसे बड़ा होगा।

स्थान

यह इथियोपिया के बेनीशांगुल-गुमुज़ क्षेत्र में है, जो सूडान के साथ सीमा से लगभग 15 किमी. पूर्व में है।

- यह बांध पूरा होने पर अफ्रीका का सबसे बड़ा पनबिजली बांध संयंत्र होगा, साथ ही दुनिया का सातवां सबसे बड़ा होगा।

विवादास्पद मुद्दा

- GERD के इर्द-गिर्द विवादास्पद मुद्दा, जो अफ्रीका का सबसे बड़ा पनबिजली परियोजना है, नदी के किनारे वाले देशों में विश्व के सबसे लंबी नदी में जल के प्रवाह का मुद्दा है।
- इथियोपिया, जो अफ्रीका का दूसरा सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश और एक विनिर्माण केंद्र है, इस बांध को अपनी संप्रभुता के एक संकेत के रूप में देखता है।
- मिस्र को डर है कि इस परियोजना से इथियोपिया को अफ्रीका की सबसे लंबी नदी के प्रवाह को नियंत्रित करने का अवसर मिल जाएगा।
- पनबिजली ऊर्जा स्टेशन जल का उपभोग नहीं करते हैं, लेकिन जिस गति से इथियोपिया बांध के जलाशय को भर रहा है वह अनुप्रवाह को प्रभावित करेगा।

क्या विवाद है?

- नील नदी विवाद के केंद्र में है जिसमें कई देश शामिल हैं जो नदी के जल के ऊपर निर्भर हैं।
- इस विवाद में सबसे आगे इथियोपिया, मिस्र और सूडान हैं।
- नील के मुख्य जलमार्ग युगांडा, दक्षिण सूडान, सूडान और मिस्र के द्वारा बहते हैं और इसकी जल निकासी घाटी पूर्वी अफ्रीका में कई देशों में बहती है जिसमें इथियोपिया शामिल है। यह वह भाग है जिसमें बांध का निर्माण हो रहा है।
- मिस्र ने बांध के निर्माण पर आपत्ति यह कहते हुए जताई है कि नीली नील सहायक नदी पर बांध की स्थिति नदी के जल के प्रवाह पर इथियोपिया का नियंत्रण कर देगी और इसके परिणामस्वरूप निम्न जल स्तर हो जाएंगे।
- सूडान भी चिंतित है कि यदि इथियोपिया का नदी पर नियंत्रण हो जाता है, तो यह सूडान को प्राप्त होने वाले जल स्तर को प्रभावित करेगा।

नोट:

- बांध के निर्माण की शुरुआत 2011 में नदी की सहायक नीली नील पर हुई थी जो इथियोपिया के एक हिस्से में बहती है।

4. मैत्री बिजली परियोजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-IR, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत सरकार के बिजली सचिव बांग्लादेश के बिजली सचिव से 1320 मेगावाट के मैत्री बिजली परियोजना से संबंधित मसले पर मिले।

मैत्री बिजली परियोजना के बारे में जानकारी



- यह 1320 मेगावाट की तापीय बिजली परियोजना है।

स्थान

- यह बांग्लादेश के बागेरहाट जिले में माँयथारा, रामपाल में स्थित है।
- यह कोयले से संचालित सुविधा दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश में पस्सुर नदी के किनारे पर 1834 एकड़ स्थल पर विकसित की जा रही है।

विकास

- इस बिजली परियोजना को बांग्लादेश भारत मित्रता बिजली कंपनी (BIFPCL) द्वारा विकसित किया जा रहा है, जो भारत की सरकार संचालित राष्ट्रीय तापीय बिजली निगम (NTPC) और बांग्लादेश बिजली विकास बोर्ड (BPDB) के बीच में 50:50 की भागीदारी है।
- यह परियोजना एक पर्यावरण हितैषी सुपरक्रिटिकल तकनीक आधारित तापीय बिजली संयंत्र है।

5. टेली- कानून

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

खबरों में क्यों है?

- हाल में, न्याय विभाग अपने टेली कानून कार्यक्रम के तहत 9 लाख लाभकर्ताओं को पार करने के मील के पत्थर का स्मरण कर रहा है।

टेली कानून के बारे में जानकारी

- इस पहल की शुरुआत 20 अप्रैल, 2017 को की गई थी जिसका लक्ष्य इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के साथ गठबंधन में कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा समान सेवा केंद्रों (CSC) के साथ गांवों में कानूनी सलाह प्रदान करना है।

टेली कानून का उद्देश्य

Ministry of Electronics and Information Technology
Government of India

Digital India

TELE LAW SERVICE

- Common Service Centres (CSCs) to offer Tele-law service
- Will help connect marginalised communities with lawyers through video conferencing facilities
- The advice will be provided by a panel of lawyers at the State Legal Services Authority
- The project also aims to employ around one thousand women paralegal volunteers
- Will be launched in around 1000 panchayats in Uttar Pradesh, Bihar,

- इसके अंतर्गत इन कानूनी सहायता सेवाओं को पूरे देश में फैले हुए पंचायत स्तर पर समान सेवा केंद्रों के द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

- यह सरकार द्वारा एक कार्यक्रम है जहां लोग समान सेवा केंद्रों पर उपलब्ध वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा वकीलों से कानूनी सलाह हासिल कर सकते हैं। यह टेली कानून पोर्टल पर है।



पैरा लीगल वालंटियर (PLV) की भूमिका

- प्रत्येक CSC के पास एक PLV होगा, जो ग्रामीण नागरिकों के लिए संपर्क का पहला बिंदु होगा।
- ये PLVs आवेदकों को CSC में वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के द्वारा एक वकील के साथ जुड़ने में मदद देंगे। ये उन्हें कानूनी मसलों को समझने में सहायता देंगे और वकीलों द्वारा दी गई सलाह को समझायेंगे।
- वकीलों का एक पैनल प्रत्येक राज्य की राजधानी में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा जो वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा आवेदकों को सलाह देगा।
- यह योजना भारत सरकार के 100 दिनों के कार्यक्रम में 115 महत्वाकांक्षी जिलों में विस्तारित की जाएगी।
- टेली कानून पर एक समर्पित वेबसाइट का रखरखाव न्याय विभाग द्वारा किया जा रहा है जिसकी डिजाइन CSC ई-शासन के समर्थन से किया जा रहा है और इसका अनुवाद 22 भाषाओं में किया गया है।

न्याय बंधु मोबाइल अनुप्रयोग के बारे में जानकारी

- यह एक नया मोबाइल अनुप्रयोग है जिसका आशय कानूनी सेवाओं की जरूरत वाले वादियों की मदद करना है।
- न्याय बंधु मोबाइल ऐप मुफ्त कानूनी सेवाओं के प्रावधान को सुगम बनाता है।
- ऐप का लक्ष्य जरूरत वाले वादियों को वकीलों से जोड़ना है जो इस तरह की निस्वार्थ सेवा को देना चाहते हैं। मुफ्त कानूनी सेवा देने के इच्छुक वकील ऐप के साथ अपने को पंजीकृत करवा सकते हैं।
- यह ऐप प्रयोगकर्ताओं को अपने मामले को पूर्व पंजीकृत करवाने की मदद देने के लिए भी है।

कानूनी मदद के संवैधानिक प्रावधान

- भारत के संविधान का **अनुच्छेद 39A** समाज के कमजोर वर्गों और गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता देने और सभी को न्याय दिलाने की बात करता है।
- संविधान के **अनुच्छेद 14 और 22(1)** राज्य के लिए यह जरूरी करते हैं कि वे कानून और कानूनी प्रणाली के सामने सभी की समानता को सुनिश्चित करें जो सभी को बराबर अवसर के आधार पर न्याय को प्रोत्साहित करती है।

नोट:

- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण कानून, 1987 के तहत किया गया था जिसका उद्देश्य कानूनी सहायता कार्यक्रमों की निगरानी और क्रियान्वयन का आकलन करना है और इस कानून के अंतर्गत उपलब्ध कानूनी सेवाओं के निर्माण के लिए नीतियों और सिद्धांतों की आधारशिला रखना है।

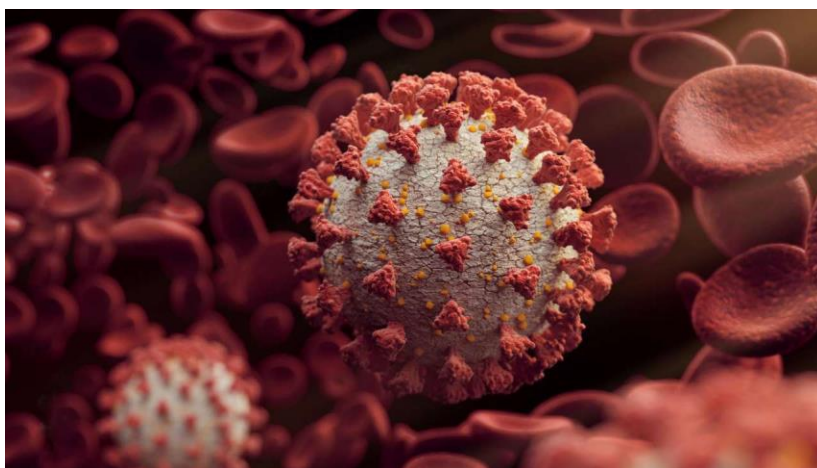
6. लैम्डा वैरिएंट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लैम्डा वैरिएंट को नामांकित किया है जिसे पूर्व में उसके औपचारिक वैज्ञानिक नाम C.37 के नाम से जाना जाता था। यह सातवां और सबसे नया "रुचि का वैरिएंट" है।

लैम्डा वैरिएंट के बारे में जानकारी



**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

- लैम्डा वैरिएंट को अब 25 से ज्यादा देशों में पहचाना जा चुका है।
- यह पेरू और दक्षिण अमेरिका के अन्य देशों में वर्चस्व वाला वैरिएंट है।
- लैम्डा वैरिएंट को अभी तक भारतीय जनसंख्या में नहीं पाया गया है, लेकिन इसे हाल में UK और अन्य यूरोपीय देशों में पहचाना गया है।
- WHO के अनुसार, लैम्डा वैरिएंट के स्पाइक प्रोटीन में कम से कम सात महत्वपूर्ण उत्परिवर्तन हैं (डेल्टा वैरिएंट में तीन हैं) जिसके कई परिणाम हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं
 - a. बढ़े हुए संप्रेषणीयता की संभावना अथवा
 - b. प्रतिपिंडों का बढ़ा हुआ प्रतिरोध, जो या तो प्राकृतिक संक्रमण अथवा टीकाकरण से पैदा हुआ है।

"रुचि के वैरिएंट" के बारे में जानकारी

- इसका अर्थ है शामिल अनुवांशिक परिवर्तनों की भविष्यवाणी की जा सकती है अथवा वे संप्रेषणीयता, रोग गंभीरता, अथवा प्रतिरक्षा बचाव को प्रभावित करने के लिए जाने जाते हैं।
- यह इस तथ्य को स्वीकार करना भी है इस वैरिएंट ने कई देशों में और जनसंख्या समूहों में महत्वपूर्ण समुदायिक संप्रेषण पैदा किया है।

कोरोनावायरस के वैरिएंट

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अभी तक 11 कोरोनावायरस वैरिएंटों की पहचान की है (ग्रीक वर्णमाला में 24 अक्षर हैं)।
- चिंता के वैरिएंट चार हैं:
 - a. अल्फा
 - b. बीटा
 - c. गामा
 - d. डेल्टा
- वर्तमान में सात वैरिएंट हैं, जिसमें लैम्डा भी शामिल है, जिसे WHO "रुचि के वैरिएंट" में वर्गीकृत करता है।
 - a. एप्सिलॉन
 - b. जीटा
 - c. ईटा
 - d. थीटा
 - e. आओटा
 - f. कप्पा

g. लैम्डा

- इन सभी को हाल में ग्रीक वर्णमाला के अक्षरों पर नाम दिया गया है जिससे उनके मूल पैदाइश के देश से जुड़ाव से बचा जा सके, जैसा कि अभी तक हो रहा था।

चिंता

- टीकाकरण के द्वारा प्राप्त की गई प्रतिरक्षा को पार करके उभरते हुए वैरिंटों की संभावना का अर्थ है उन जनसंख्याओं में संक्रमणों की नई लहर आ सकती है जिन्हें पहले सामुदायिक स्तर पर संरक्षण तक पहुँचने के करीब माना जाता था।

7. डिजिटल कॉमर्स के लिए खुला नेटवर्क (ONDC) परियोजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- उद्योग एवं आंतरिक व्यापार प्रोत्साहन विभाग (DPIIT) ने हाल में अपनी डिजिटल कॉमर्स के लिए खुले नेटवर्क (ONDC) परियोजना के लिए एक परामर्शदात्री समिति की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।

डिजिटल कॉमर्स के लिए खुला नेटवर्क (ONDC) परियोजना

- इसका लक्ष्य डिजिटल एकाधिकारवाद को रोकना है।
- यह ई-कॉमर्स प्रक्रियाओं को खुला स्रोत बनाने की दिशा में एक कदम है, इस तरह से एक प्लेटफॉर्म सृजित होगा जिसका सभी ऑनलाइन रिटेलरों द्वारा उपयोग किया जाएगा।
- इस परियोजना के कार्य को भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) को सौंपा गया है।

इस परियोजना से किन प्रक्रियाओं के खुला स्रोत होने की संभावना है?

- कई प्रचालनात्मक पहलू जिसमें बिक्रेताओं की ऑनबोर्डिंग, वेंडर की खोज, मूल्य की खोज और उत्पाद को सूचीबद्ध करना शामिल हैं, को एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) के अनुरूप खुला स्रोत बनाया जा सकता है।

किसी चीज को खुला स्रोत बनाने का महत्व

- सॉफ्टवेयर अथवा किसी प्रक्रिया को खुला स्रोत बनाने का अर्थ है उस प्रक्रिया के चरण अथवा कोड अन्य लोगों के प्रयोग, पुनर्वितरण और संशोधन के लिए मुफ्त रूप से उपलब्ध हैं।

- उदाहरण के लिए, जहां एप्पल के आईफोन के ऑपरेटिंग सिस्टम- Ios- बंद स्रोत होते हैं, जिसका अर्थ है इसे कानूनी रूप से संशोधित अथवा उल्टी इंजीनियरिंग नहीं की जा सकती है, गूगल का एंड्रायड ऑपरेटिंग सिस्टम खुला स्रोत है, और इसलिए शायद यह स्मार्टफोन OEMs जैसे सैमसंग, शियोमी, वनप्लस इत्यादि के द्वारा है कि इसे हार्डवेयर के लिए संशोधित किया जा सकता है।
- यदि ONDC का क्रियान्वयन और शासनदेश आ जाता है, इसका अर्थ होगा कि सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को समान प्रक्रियाओं का प्रयोग करके ऑपरेट करना होगा।
- यह छोटे ऑनलाइन खुदरा बिक्रेताओं और नये प्रवेशकर्ताओं के लिए काफी प्रोत्साहनकारी कदम होगा

इस परियोजना से DPIIT का क्या उद्देश्य है?

- DPIIT का कहना है कि ONDC का लक्ष्य खुले स्रोत विधि पर विकसित खुले नेटवर्कों को प्रोत्साहित करना है, जिसके लिए खुले विशेष विवरणों और खुले नेटवर्क प्रोटोकॉलों का प्रयोग किया जाएगा जो किसी विशिष्ट प्लेटफॉर्म पर स्वतंत्र हों।
- ONDC द्वारा पूरे मूल्य श्रृंखला को डिजिटाइज करने, ऑपरेशनों का मानकीकरण करने, आपूर्तिकर्ता के शामिल करने को प्रोत्साहन देने, लॉजिस्टिक्स में सामर्थ्य उत्पन्न करने और उपभोक्ताओं के लिए मूल्य वर्धन किये जाने की संभावना है।

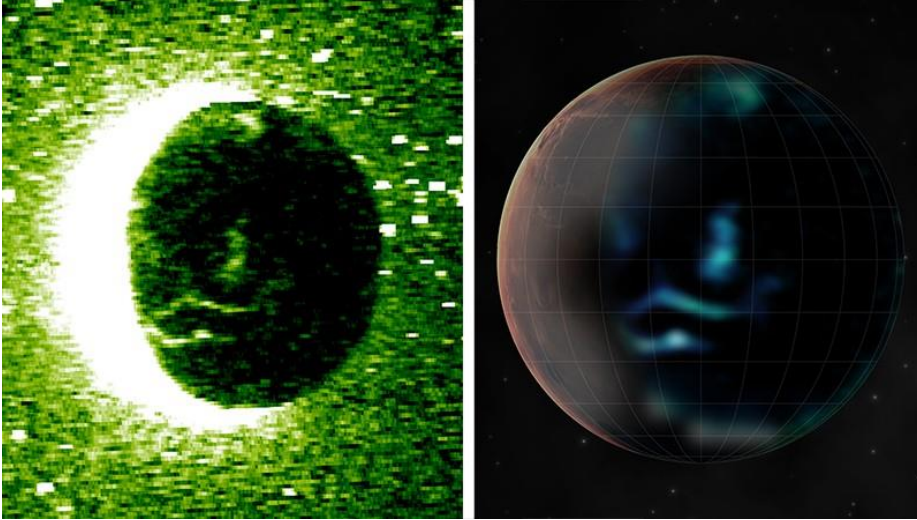
8. मंगल पर असतत ध्रुवीय ज्योति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, UAE के होप अंतरिक्षयान ने, जो फरवरी 2021 से मंगल की परिक्रमा कर रहा है, ने लाल ग्रह के रात्रि के आकाश में चमकीली वायुमंडलीय प्रकाशों के चित्रों को लिया है, जिसे असतत ध्रुवीय ज्योति कहा जाता है।

असतत ध्रुवीय ज्योति के बारे में जानकारी



- प्रकाश के संकेत जो काले रात्रिकालीन डिस्क के खिलाफ नजर आते हैं, काफी उच्च रूप से संरचित असतत ध्रुवीय ज्योति हैं, जो संकेत देते हैं कि गहां ऊर्जामयी कण वायुमंडल को उत्तेजित करते हैं जब उन्हें भूपर्पटी चुंबकीय क्षेत्रों के पट्टी वाले नेटवर्क के द्वारा फनल के रूप में निकाला जाता है। ये मंगल की सतह पर खनिजों द्वार पैदा किये जाते हैं।
- पृथ्वी पर ध्रुवीय ज्योति के विपरीत, जो केवल उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों में ही नजर आते हैं, मंगल पर असतत ध्रुवीय ज्योति रात्रि के समय पूरे ग्रह पर नजर आती है।

पृथ्वी पर क्यों ध्रुवीय ज्योति पैदा होती है?

- ध्रुवीय ज्योति उस समय पैदा होती है जब सूर्य की सतह से निकले आवेशित कण जिन्हें सौर पवन कहते हैं- पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं।
- ये कण हानिकारक होते हैं और हमारे ग्रह को भूचुंबकीय क्षेत्र से सुरक्षा मिलती है, जो हमें सौर पवन से बचाकर जीवन का संरक्षण करती है।
- लेकिन, उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव पर, कुछ सौर पवन कण लगातार आने में सफल होते हैं और वायुमंडल में विभिन्न गैसों के साथ अन्योन्यक्रिया करते हैं जिससे रात्रि के आकाश में प्रकाश नजर आता है।
- यह प्रदर्शन, जिसे ध्रुवीय ज्योति कहते हैं, पृथ्वी के उच्च स्थानों से देखे जा सकते हैं (इन्हें ऑरोरल ओवल कहते हैं)। ये पूरे वर्षपर्यंत सक्रिय रहते हैं।

उत्तरी ध्रुवीय ज्योति

- हमारे ग्लोब के उत्तरी भाग में, ध्रुवीय ज्योतियों को उत्तरी ध्रुवीय ज्योति कहा जाता है, और इन्हें US (अलास्का), कनाडा, आइसलैंड, ग्रीनलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड से देखा जा सकता है।

दक्षिणी ध्रुवीय ज्योति

- दक्षिण में, इन्हें दक्षिणी ध्रुवीय ज्योति कहा जाता है और ये अंटार्कटिका, चिली, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के ऊंचे स्थानों से देखी जा सकती हैं।

होप आर्बिटर मिशन के बारे में जानकारी

- होप प्रोब, मंगल को अरब दुनिया का पहला मिशन, ने जुलाई 2020 में पृथ्वी से उड़ान भरी थी और फरवरी से लाल ग्रह का चक्कर काट रहा है।
- मिशन का मूल उद्देश्य मंगल के मौसम की गतिकी का अध्ययन करना है।
- निचली वायुमंडल और ऊपरी वायुमंडल स्थितियों में संबंध स्थापित करके, प्रोब इस बात को देखेगा कि कैसे मौसम हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के अंतरिक्ष में पलायन को परिवर्तित करता है।
- इस बात का मापन करके कि कितना हाइड्रोजन और ऑक्सीजन अंतरिक्ष में प्रवेश कर रहा है, वैज्ञानिक इस बात का पता लगाने में सक्षम होंगे कि कैसे मंगल ने अपने इतने प्रारंभिक वायुमंडल और द्रव जल को खो दिया।
- इसके द्वारा ग्रह के वायुमंडल के पहले संपूर्ण चित्र बनाने की संभावना है।

gradeup